X 22/3/2012

Series BRH/2

कोड नं. **4/2/3**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*
(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*
(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

बेटी गई है बाहर काम पर
ओ हवाओ ! उसे रास्ता देना
दूर तक फैली काली लकीर-सी वहशी सड़को !
तनिक अपनी कालिख समेटकर, उसे दुर्घटना से बचाना ।
भीड़ भरी बसो !
तनिक उस पर ममता वारना,
उसे इस या उस या उसके वाहियात स्पर्शों
और जंगली छेड़छाड़ से बचाना ।
बेटी गई है बाहर काम पर,
दिशाओ ! चुपके से उसके साथ हो लेना
और शाम ढले जब तक वह लौटकर आती नहीं घर
ख़ुद को सचेतन और पारदर्शी बनाए रखना ।
शहर के शोर ! धुएँ !
और भीड़ भरे कोलाहल !
थोड़ी देर को थम जाना
ताकि बेटी जो गई है बाहर काम पर
शाम को ठीक-ठाक उत्फुल्ल मन घर लौटे ।

(क) काव्यांश में बेटी से तात्पर्य है :
- (i) अच्छे परिवार में पल रही बेटी
- (ii) महानगरों में रह रही नारी
- (iii) सभी माताएँ, बहनें और बेटियाँ
- (iv) रोज़ काम पर जाती युवतियाँ

(ख) सड़कों से कवि चाहता है :
- (i) दूर तक फैल जाना
- (ii) छोटा हो जाना
- (iii) दुर्घटना से बचाना
- (iv) कालापन बदल देना

(ग) वाहियात स्पर्शों का क्या आशय है ?

(i) छेड़छाड़ करना

(ii) बुरी नीयत से छूना

(iii) फ़बती कसना

(iv) असभ्य व्यवहार करना

(घ) बेटी के ठीक-ठाक घर लौटने में किसकी सहायता माँगी गई है ?

(i) कोलाहल

(ii) प्रदूषण

(iii) ढलती शाम

(iv) दिशाएँ

(ङ) कविता का शीर्षक हो सकता है :

(i) महानगर में बेटी

(ii) हमारी बेटियाँ

(iii) प्रदूषण का फल

(iv) मन की व्यथा

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

पात-पात में पीर पगी है
घर-घर बर्बर आग लगी है
अंतर में जठराग्नि जगी है
वन-वन में दावाग्नि दगी है
ज्वाल-जाल का शमन कर सके, कोई नहीं समर्थ ।
खुलकर झूठ बोलता दर्पण
सत्य कर रहा मौन समर्पण
पत्र-पुष्प पतझर को अर्पण
मानवीय मूल्यों का तर्पण
साँस-साँस बंधक है जैसे जीवन मात्र तदर्थ ।

काग चुग रहे मानस-मोती
अंधी घाटी धूप समोती
कुब्जा प्रीति सेज पर सोती
राधा विरह-वेदना ढोती
उतरे कूप, उमड़ते मरुथल, करती प्रकृति अनर्थ !
यह बहरों का गाँव यहाँ पर शोर मचाना व्यर्थ ।

(क) किस कथन का आशय है कि समाज में अभी भी भुखमरी है ?

(i) वन-वन में दावाग्नि दगी है

(ii) अंतर में जठराग्नि जगी है

(iii) घर-घर बर्बर आग लगी है

(iv) पात-पात में पीर पगी है

(ख) समाज में सच्चाई की क्या स्थिति है ?

(i) अपनी आन पर टिकी है

(ii) उसका कोई अस्तित्व नहीं है

(iii) झूठ के सामने समर्पण कर रही है

(iv) पतझर बनकर झर रही है

(ग) 'काग चुग रहे मानस-मोती' का आशय है :

(i) अयोग्य सुविधा भोग रहे हैं

(ii) बेईमान लाभ कमा रहे हैं

(iii) चोर पहरा दे रहे हैं

(iv) भ्रष्ट उपदेश दे रहे हैं

(घ) किस पंक्ति का आशय है कि मनुष्य में अच्छे गुणों का विघटन हो रहा है ?

(i) पत्र-पुष्प पतझर को अर्पण

(ii) खुलकर झूठ बोलता दर्पण

(iii) मानवीय मूल्यों का तर्पण

(iv) सत्य कर रहा मौन समर्पण

(ङ) प्रकृति अपना असंतोष किस रूप में व्यक्त कर रही है ?

(i) आँधी तूफ़ानों के रूप में

(ii) ऋतुएँ बदल रही हैं

(iii) कुब्जाओं का सम्मान हो रहा है

(iv) कुओं में पानी सूख रहा है

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

आज यातायात के साधनों का बहुत विकास हुआ है । लाखों बसें रात-दिन देश की सड़कों पर दौड़ती हैं । जहाँ पर पहले दो-तीन रेलगाड़ियाँ चलतीं थी, वहाँ अब बीसियों गाड़ियाँ चलने लगी हैं । लेकिन बढ़ी जनसंख्या के कारण हम सुख से यात्रा नहीं कर पाते । कभी-कभी लंबी-लंबी यात्राएँ खड़े-खड़े करनी पड़ती हैं । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विद्यालयों की संख्या पहले से कई गुनी हो गई है फिर भी अनेक विद्यार्थियों की शिक्षा इसलिए रुक जाती है कि उन्हें किसी विद्यालय में प्रवेश नहीं मिलता । चारों ओर भीड़ ही भीड़ दिखाई देती है । ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे स्त्री-पुरुषों का समुद्र उमड़ आया हो । बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण हम बेरोज़गारी पर काबू पाने में असमर्थ हैं । विशेष प्रशिक्षित व्यक्तियों को भी कार्य नहीं मिल पा रहा है । यदि कोई देश अपने शिक्षित नवयुवकों के रोज़गार की व्यवस्था न करे तो इससे अनेक सामाजिक बुराइयाँ पैदा होती हैं । किन्तु समस्या यह है कि हमारे संसाधनों पर बढ़ती जनसंख्या का दबाव तीव्रतर होता जा रहा है । शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन, विद्युत्-आपूर्ति आदि के क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि भी अपर्याप्त सिद्ध हो रही है । और तो और, पीने का पानी, जो प्रकृति ने हमें मुक्तहस्त होकर दिया था, आज दुर्लभ होता जा रहा है ।

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(i) परिवहन की समस्या

(ii) पानी की समस्या

(iii) जनसंख्या की समस्या

(iv) बेरोजगारी की समस्या

(ख) अनेक विद्यार्थियों की शिक्षा रुक जाने का कारण है

(i) विद्यालय की फ़ीस न दे पाना

(ii) किसी विद्यालय में प्रवेश न मिलना

(iii) घरेलू स्थितियों की विवशता

(iv) माता-पिता का शिक्षित न होना

(ग) बेरोज़गारी पर काबू पाने में असमर्थता क्यों है ?

(i) कार्य करने में आलस्य

(ii) बड़ा पद पाने की लालसा

(iii) बढ़ती हुई जनसंख्या

(iv) अधिक वेतन की चाह

(घ) शिक्षित नवयुवकों के लिए रोज़गार न होने पर क्या परिणाम होता है ?

(i) युवकों में फैलता असंतोष

(ii) अपने स्वयं के रोज़गार की शुरुआत

(iii) बेरोज़गारी भत्ते की माँग

(iv) अनेक सामाजिक बुराइयों की उत्पत्ति

(ङ) गद्यांश में आए 'प्रवेश' शब्द के लिए उपयुक्त विपरीतार्थक है

(i) विकास

(ii) आधार

(iii) निर्गम

(iv) दुर्गम

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

कल-कल ध्वनि करती हुई मंथर गति से जब मैं अपने पिता हिमालय की गोद से निकल पड़ी तो चेतन ही नहीं, जड़ भी मेरी ओर आकर्षित हो उठे । पक्षियों ने कलरव कर मेरी यात्रा के शुभारंभ की सूचना दी । दिशाएँ गूँज उठीं । सूर्य, चंद्र और झिलमिलाते तारों ने अपने प्रकाश से मेरा मार्ग प्रशस्त किया । पत्थरों को तोड़ती, पहाड़ों से जूझती, चट्टानों को धकेलती, मिट्टी से पाटती, क्षीणकाय मैं अकेली अपनी धुन में आगे बढ़ती रही । आनंद से झूमते वृक्षों के हरे पत्ते मेरे आगमन पर पुलकित हो उठे । भोले-भाले पर्वतीय जनों की सरलता, कन्याओं की उन्मुक्त चंचलता, कुलवधुओं के पारस्परिक हास-परिहास, शिशुओं की तोतली बोली, भाषाओं की मिठास तथा सुकुमार प्रकृति की मनोहरता एवं रमणीयता आदि को देख और सुनकर मैं खुशी से झूम उठी । कभी-कभी तो विशाल शिलाखंडों ने मेरा वेग रोकने की इच्छा से मेरा मार्ग ही अवरुद्ध कर दिया, किन्तु उन्हें सरसता का स्वाद देकर कुछ पलों के लिए रुक, मैं पुनः अपने मार्ग पर चल पड़ी । रुकना मुझे रुचिकर नहीं । मुड़कर पीछे देखना भी मैंने जाना नहीं । मैं जीवनमयी हूँ । जलमय, रसमय और आनंदमय जीवन से परिपूर्ण ।

(क) गद्यांश में किसकी यात्रा का संकेत मिलता है ?

(i) नर्मदा की

(ii) गोदावरी की

(iii) गंगा की

(iv) कावेरी की

(ख) 'पिता की गोद' का आशय है :

(i) झरना

(ii) समुद्र

(iii) पर्वत

(iv) बादल

(ग) पत्थरों को नदी ने रास्ते से कैसे हटाया ?

(i) ललकार कर

(ii) धकेलकर

(iii) टुकड़े-टुकड़े तोड़कर

(iv) सरसता का स्वाद चखाकर

(घ) 'मंथर गति' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है :

(i) मंद गति

(ii) तीव्र गति

(iii) मस्त गति

(iv) उन्मुक्त गति

(ङ) कौन-सा शब्द-युग्म परस्पर विलोम ***नहीं*** है ?

(i) भोले-भाले

(ii) कल-कल

(iii) तोड़ती-पाटती

(iv) जड़-चेतन

खण्ड ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) हमेशा चुप रहने वाले तुम आज क्यों शोर कर रहे हो ? वाक्य में विशेषण पदबंध है :

(क) हमेशा चुप

(ख) चुप रहने वाले तुम

(ग) आज क्यों शोर

(घ) हमेशा चुप रहने वाले

(ii) रात को गश्त देने वाली पुलिस आज नहीं आई । वाक्य में रेखांकित का पदबंध है :

(क) संज्ञा

(ख) विशेषण

(ग) सर्वनाम

(घ) क्रिया

(iii) मोहन के मन में मेरे प्रति क्रोध है । वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिग, एकवचन

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन

(iv) 'तुम इस विद्यालय में कब से पढ़ रहे हो ।' — वाक्य में रेखांकित का पद परिचय है :

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, एकवचन

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन

(ग) सर्वनाम, रीतिवाचक, प्रथम पुरुष, एकवचन

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) 'मेरे घर आज अतिथि आने वाले हैं इसलिए कुछ सामान चाहिए' — वाक्य रचना की दृष्टि से है :

(क) संयुक्त

(ख) मिश्र

(ग) जटिल

(घ) सरल

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) मैं नहीं जानता कि वे कब लौटेंगे ।

(ख) हड़ताल का परिणाम ठीक नहीं होता ।

(ग) मैं खाना खा चुका और भिखारी ने दरवाजा खटखटाया ।

(घ) बच्चे अबोध होते हैं इसलिए चाँद को पकड़ना चाहते हैं ।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है :

(क) बच्चे खिलौने के लिए झगड़ा करते हैं ।

(ख) वह आया और नहाने लगा ।

(ग) जो चोरी करता है वह हमेशा डरता रहता है ।

(घ) माताएँ बच्चों के पालन-पोषण में ध्यान देती हैं ।

(iv) नीचे लिखे वाक्यों से मिश्र वाक्य बनेगा :

सोता हुआ व्यक्ति जाग गया । वह दूसरों को जगाने लगा ।

(क) सोने वाला व्यक्ति जागकर दूसरों को जगाने लगा ।

(ख) सोने वाला व्यक्ति जागा और दूसरों को जगाने लगा ।

(ग) सोकर जागने वाला दूसरों को जगाने लगा ।

(घ) जो व्यक्ति सो रहा था वह जागकर दूसरों को जगाने लगा ।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) 'नवोदय' का संधि-विच्छेद है :

(क) नवो + दय

(ख) नव + उदय

(ग) नवा + उदय

(घ) न + वोदय

(ii) अभि + आगत की संधि है :

(क) अभ्यगत

(ख) अभीआगत

(ग) अभ्यागत

(घ) अभयागत

(iii) 'लोकाचार' समस्त पद का विग्रह है :

(क) लोक और आचार

(ख) लोक में आचार

(ग) लोक के लिए आचार

(घ) लोक पर आचार

(iv) 'नया जो है वर्ष' का समस्त पद है :

(क) नवाँ वर्ष

(ख) नववर्ष

(ग) वर्ष नया

(घ) नवर्ष

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) हमारी सेना ने शत्रु सेना के __________ दिए । उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) कान झाड़ना

(ख) कान फूँकना

(ग) कीचड़ उछालना

(घ) दाँत खट्टे करना

(ii) 'गले मढ़ना' मुहावरे का अर्थ है :

(क) अत्यधिक भयभीत होना

(ख) अनिच्छुक को सौंपना

(ग) डींग मारना

(घ) ख़ुशी मनाना

(iii) 'एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा' लोकोक्ति का अर्थ है :

(क) बुरे का साथ बुरा फल देता है

(ख) नीच की मित्रता व्यर्थ होती है

(ग) एक ही वस्तु के कई चाहने वाले

(घ) बुरे की संगत से और भी बुरा होना

(iv) "सौंदर्य बढ़ा देना" अर्थ वाला मुहावरा है :

(क) हाथ धोकर पीछे पड़ना

(ख) चार चाँद लगा देना

(ग) गागर में सागर भरना

(घ) सिर चढ़ना

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) तुमने मेरे घर आना है ।

(ख) तुम भिखारी माफ़िक माँगता रहता है ।

(ग) हम उससे कहे हैं ।

(घ) कृपया आप शीघ्र आइए ।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) मुझे आज दिल्ली जाना है ।

(ख) तुम हमारा दुश्मन से बात क्यों करते हो ?

(ग) राष्ट्रपति ने वीर बालकों को पुरस्कार दिए ।

(घ) समाज के लोगों में आपसी मतभेद नहीं होने चाहिए ।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) बच्चे को गरम गाय का दूध पिलाओ ।

(ख) हम तुमसे पहले ही कहे थे ।

(ग) सज्जन किसी से ईर्ष्या नहीं करते ।

(घ) उसने ऐसा क्यों करा ?

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) रचना के पैर में मोच आ गई है ।

(ख) माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है ।

(ग) तुम्हारा दोस्त तुम्हारा बुराई करता रहता है ।

(घ) मन की पवित्रता सबसे बड़ी पवित्रता है ।

खण्ड ग

10. "मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ" इस कथन से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए । *5*

अथवा

'झेन की देन' पाठ में लेखक ने जापान में मानसिक रोग बढ़ने के क्या कारण बताए हैं ? उससे राहत पाने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$

(क) 'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की क्या सार्थकता है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए कि चाजीन ने गरिमापूर्ण ढंग से क्या-क्या कार्य किए, जिनसे लेखक प्रभावित हुआ ।

(ग) 'कारतूस' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था ।

(घ) कबूतरों से लेखक की पत्नी को क्या परेशानी थी ? उन्होंने उनसे छुटकारा पाने का क्या उपाय किया ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

12. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1\times5=5$

जलते नभ में देख असंख्यक
स्नेहहीन नित कितने दीपक
जलमय सागर का उर जलता
विद्युत ले घिरता है बादल
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल !

(i) 'स्नेहहीन दीपक' से क्या तात्पर्य है ?

(क) दीपक जिसमें तेल नहीं है

(ख) व्यक्ति, जिसके हृदय में प्रेम नहीं है

(ग) जिसके हृदय में ईश्वर के प्रति आस्था नहीं है

(घ) जिसके हृदय में आस्था और विश्वास है

(ii) सागर का हृदय क्यों जलता है ?

(क) स्नेहहीन असंख्य तारों को देखकर

(ख) आस्थाहीन असंख्य तारों को देखकर

(ग) स्वयं स्नेहपूर्ण होने के कारण

(घ) धरती पर अशांति होने के कारण

(iii) कवि ने बादल की क्या विशेषता बताई है ?

(क) बादल बिजली का प्रकाश लेकर घिरता है

(ख) बादल पृथ्वी को प्रेम देने के लिए जलवृष्टि करता है

(ग) बादल बाधाओं का रूप लेकर आता है

(घ) बादल गरजकर बरसता है

(iv) 'विहँस-विहँस जलने' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) दूसरों को सुख देना

(ख) सदैव प्रसन्न रखना

(ग) स्नेह प्रकट करते हुए जलना

(घ) धीरे-धीरे प्रकाश देना

(v) निम्नलिखित में 'नभ' शब्द का पर्यायवाची है :

(क) पथ

(ख) आकाश

(ग) सरिता

(घ) सिंधु

अथवा

दुःख-ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुख को मैं कर सकूँ सदा जय
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल-पौरुष न हिले
हानि उठानी पड़े जगत में, लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय ।

(i) दुखी चित्त को क्या नहीं देने की प्रार्थना की गई है ?
- (क) सांत्वना देने की
- (ख) दुख दूर करने की
- (ग) सुख प्रदान करने की
- (घ) दुख पर विजय प्राप्त करने की

(ii) कवि ने 'अपना बल-पौरुष न हिले' क्यों कहा है ?
- (क) किसी की सहायता से दुखों से लड़ना चाहता है
- (ख) अपने बल-पराक्रम के द्वारा दुखों से लड़ना चाहता है
- (ग) अपने बल-पराक्रम से संसार के दुख दूर करना चाहता है
- (घ) अपने बल-पराक्रम का परिचय देना चाहता है

(iii) 'लाभ अगर वंचना रही' का तात्पर्य है :
- (क) लाभ होने की स्थिति में
- (ख) लाभ मिलकर हानि हो जाने की स्थिति में
- (ग) लाभ न मिलने की स्थिति में
- (घ) लाभ के लिए प्रयास करने की स्थिति में

(iv) 'क्षय' शब्द से कवि क्या कहना चाहता है ?
- (क) सुख
- (ख) प्रसन्नता
- (ग) दुख
- (घ) सांत्वना

(v) कवि ने ईश्वर से क्या चाहा है ?

(क) व्यथित चित्त की शांति

(ख) बल और आत्मसम्मान

(ग) दुख झेलने के लिए सहायता

(घ) हानि-लाभ की चिंता न करना

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं। ख़ुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है । यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है । समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों-जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है । व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है ।

(क) 'वे' सर्वनाम का प्रयोग किनके लिए हुआ है ? *1*

(ख) व्यवहारवादी लोगों के सफल होने के क्या कारण हैं ? *2*

(ग) आदर्शवादी लोगों ने हमेशा कैसे काम किए हैं ? समाज को उनकी क्या देन है ? *2*

अथवा

बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था । उसमें पानी भरा हुआ था । हमने अपने हाथ-पाँव इस पानी से धोए । तौलिए से पोंछे और अंदर गए । अंदर 'चाजीन' बैठा था । हमें देखकर वह खड़ा हुआ । कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया । दो-झो (आइए, तशरीफ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अंगीठी सुलगाई । उस पर चायदानी रखी । बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया । तौलिए से बरतन साफ़ किए । सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों ।

(क) पर्णकुटी के बाहर मिट्टी का बरतन रखने का क्या प्रयोजन था ? *2*

(ख) चाजीन ने लेखक का स्वागत कैसे किया ? *1*

(ग) चाय बनाए जाने की सारी प्रक्रिया समझाइए । *2*

14. (क) 'मनुष्यता' कविता के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या है ? *1*

(ख) बिहारी कवि के अनुसार सभी की उपस्थिति में बात कैसे की जा सकती है ? अपने शब्दों में लिखिए । *2*

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदाओं से बचाने की प्रार्थना क्यों नहीं करता ? *2*

15. छात्र-जीवन में छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए लेखक क्या योजनाएँ बनाता और उसे पूरा नहीं करने पर कैसे बहादुर बनने की सोचता ? 'सपनों के-से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए । *3*

अथवा

'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लेखक के सहपाठी 'ओमा' की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

16. इफ़्फ़न की दादी को मरने से पहले किन-किन चीज़ों की याद आई ? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । *2*

खण्ड घ

17. 'शिक्षक-दिवस पर' दिए गए अपने वक्तव्य का विवरण देते हुए मित्र को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

"एक निर्धन विद्यार्थी अपनी पढ़ाई कैसे जारी रख सकता है ?" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

18. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) **बदली परीक्षा-प्रणाली**
- परीक्षा का बदला रूप क्या और क्यों
- मूल्यांकन का ढंग
- लाभ और हानि

(ख) **मोबाइल फोन का बढ़ता प्रयोग**
- मोबाइल क्या और क्यों
- जीवन में अनिवार्यता
- हानि से बचने के उपाय

(ग) **खेल और शारीरिक स्वास्थ्य**
- शरीर और स्वास्थ्य का सम्बन्ध
- खेल से शरीर स्वस्थ
- स्वस्थ रहने के लिए खेल आवश्यक